सरयूपार मैदान की जनसाख्यिकीय विशेषताओं का विश्लेषण

अभिषेक सिंह, शोध छात्र डा राम मनोहर अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद
डा ओम प्रकाश सिंह एसोशियेट प्रोफेसर के. एन. आइ. सुलतानपुर

सरयूपार मैदान में जनसंख्या को तीनों तत्वों (भौतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक) ने प्रभावित किया है लेकिन भौतिक और आर्थिक तत्वों का प्रभाव सर्वोपरि है। भौतिक तत्वों में धरातलीय स्वरूप, जलस्तर, जलवायु, मृदा और वनस्पति का प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। सरयूपार मैदान पूरी तरह से ग्रामीण है मध्य गंगा मैदान में विस्तार है अवस्थित है जीवनयापन का मूल आधार कृषि है मैदानी क्षेत्र होने से पेयजल सुविधा, उपजाऊ कृषि भूमि, वनस्पति, खाद्यान्न, पशुपालन, बागवानी आदि की सुविधा के कारण से जनसंख्या वृद्धि हुई है। जीवन यापन के लिए भोजन, वस्त्र और मकान तीनों सुविधाएं मैदानी क्षेत्र में सुगमता से उपलब्ध हो जाती हैं इसलिए अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि अत्यंत तीव्र हुई है। इसका प्रभाव कृषि उपयोग, कृषि फसल उत्पादकता, सिंचाई आदि पर प्रदर्शित होता है। अध्ययन क्षेत्र में शोधार्थी लिंगानुपात का विश्लेषण किया है। ग्रामीण, नगरीय, जनसंख्या, साक्षरता जैसे अनेक जनसांख्यिकीय पहलुओं का विश्लेषण वहां के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, परिवेश में किया गया है जनसंख्या एक गत्यात्मक पक्ष है जो वहां के शिक्षा, जागरूकता ,संचार साधन, नवाचार से प्रभावित होती है। वही जनसंख्या के सभी पक्ष किसी भी क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक समस्त बिंदुओं को प्रभावित करते हैं इतना ही नहीं प्राकृतिक दृश्य को भी जनसंख्या के घटक बड़ी सरलता से प्रभावित होते हैं इसीलिए विद्वान हार्ट" र्थर्न ने कहा था कि शायद ग्लोब पर अब प्राकृतिक भूदृश्य नही है जहां मानव के कदम नही पहुंचे हो लिंगानुपात किसी क्षेत्र की स्त्री की स्थिति वहां के लोगों के जीवन स्तर का एक अच्छा मापदंड है लिंगानुपात महिलाओं के पक्ष में होने पर सभी घटक अनुकूल माने जाते हैं और लिंगानुपात पुरुषों के पक्ष में होने पर शिक्षा ,रोजगार व अन्य स्थितियां प्रतिकूल समझते हैं मानव विकास सूचकांक की गणना में उच्च रैंकिंग वाले समस्त देश समस्त क्षेत्र में लिंगानुपात, साक्षरता ,आय के साधन जीवन स्तर आयु प्रत्याशा आदि उच्च स्तरीय पाई जाती है ।

शोध प्रविधि

जनसांख्यिकीय अध्ययनों के विश्लेषण के लिए शोधकर्ता ने आंकड़ों का संग्रहण किया है जिसमें जनसंख्या वृद्धि, लिंगानुपात ,साक्षरता जैसे अनेक संबंधित आंकड़ों को एकत्रित करने के लिए प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का सहयोग लिया है शोधकर्ता ने प्राथमिक आंकड़ों के संग्रह हेतु जैसे प्रत्यक्ष व्यक्तिगत सर्वेक्षण, नमूना सर्वेक्षण, स्थानीय प्रतिवेदन, सर्वेक्षण, प्रश्नावली द्वारा सर्वेक्षण, परोक्ष मौखिक की प्रश्नों द्वारा सर्वेक्षण के माध्यम से आंकड़ों का संग्रहण किया है इसके अलावा द्वितीयक आंकड़ों के लिए शोधकर्ता ने पंजीयन अभिलेख, जनगणना रिपोर्ट, राष्ट्रीय नमूना, सर्वेक्षण, अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन पर विशेष ध्यान देते हुए जनसंख्या के विविध पहलुओं के आंकड़ों का संग्रहण किया है। जिला सांख्यिकीय पत्रिका, का भी अध्ययन किया है। प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण को सुगम करने के लिए शोधकर्ता ने सांख्यिकीय की विधियों माध्य, माध्यिका, बहुलक के साथ आंकड़ों के सारणीयन का कार्य किया । आंकड़ों के आधार पर वर्ग अंतराल विधि से मानचित्र निर्माण किया है आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण सरल, सहज, सुबोध हो इस हेतु आरेख, मानचित्र की आवश्यकता होती है शोधकर्ता ने अपने शोध पत्र में समग्र बिंदुओं को विश्लेषण करने का पूर्ण प्रयास किया है ।

स्थिति एवं विस्तार

सरयूपार मैदान मध्य गंगा मैदान के उत्तरांचल में तथा उत्तर प्रदेश के पूर्वोत्तर में घाघरा नदी एवं नेपाल तराई के मध्य स्थित है। इस मैदान का क्षेत्रफल 33413 वर्ग किमी0 है जो उत्तर प्रदेश के क्षेत्रफल का 14.01 प्रतिशत एवं सम्पूर्ण भारत के क्षेत्रफल का 0.69 प्रतिशत है। इस मैदान की भौगोलिक स्थिति 26° 5' उत्तर से 28° 30' उत्तरी अंक्षाश एवं 80° 57' से 84° 29' पूर्वी देशान्तर के मध्य है। यह मैदान एक पतली पेटी के रूप में उत्तर–पश्चिम से दक्षिण–पूर्व की ओर विस्तृत है। चित्र 2.1 से स्पष्ट है कि इस मैदान का आकार लगभग त्रिभुजाकार है, जिसका आधार बड़ी गण्डक नदी तथा शीर्ष कोड़ियाला और गिरवा का संगम (बहराइच जनपद में स्थित) है। इस क्षेत्र के उत्तरी सीमा पर नेपाल तराई एवं दक्षिणी सीमा पर घाघरा नदी का विस्तार है। पूरब दिशा में बड़ी गण्डक (नारायणी) तथा पश्चिम में सरयू (घाघरा) नदी इसकी सीमा निर्धारित करती हैं। इस भौगोलिक क्षेत्र की उत्तरी सीमा पर नेपाल तराई एवं दक्षिणी सीमा पर घाघरा नदी का विस्तार है। पूरब में बड़ी गण्डक (नारायणी) तथा बिहार राज्य की सीमा और पश्चिम एवं दक्षिण मे घाघरा नदी इसकी सीमा निर्धारित करती है। राजनीतिक रूप से इसकी उत्तरी सीमा भारत–नेपाल की अन्तर्राष्ट्रीय सीमा द्वारा,दक्षिणी एवं पश्चिमी सीमा क्रमशः उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, फैजाबाद, अकबरपुर, आजमगढ़, मऊ एवं बलिया जनपद द्वारा तथा पूर्वी सीमा बिहार राज्य के बेतिया, गोपालगंज एवं सीवान जनपद की सीमा द्वारा सीमांकित होता है। इस पट्टीनुमा सम्भाग की पूर्व से पश्चिम लम्बाई 260 किमी0 तथा दक्षिण से उत्तर चौड़ाई मात्र 130 किमी0 है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार इस मैदान की कुल जनसंख्या 30717708 है, जो उत्तर प्रदेश की जनसंख्या का 15.37% है। इस क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के 11 जनपद क्रमशः बहराइच, गोण्डा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बस्ती, संतकबीर नगर, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर तथा देवरिया सम्मिलित है। अध्ययन क्षेत्र में कुल 46 तहसीलें, 137 सामुदायिक विकास खण्ड, 1413 न्याय–पंचायत एवं 9653 ग्राम सभाएं है।

जनसंख्या वृद्धि–

जनसंख्या–समूह में कालिक परिवर्तन ही जनसंख्या वृद्धि कहलाती है। जनसंख्या के कालिक परिवर्तन का प्रभाव लघु एवं दीर्घगामी दोनो प्रकार का होता है। यह वृद्धि दो प्रकार की होती है यथा–धनात्मक एवं ऋणात्मक। किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या तीन महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं का परिणाम होता है– जन्मदर, मृत्युदर तथा स्थानान्तरण।

आलोच्य क्षेत्र में विभिन्न ऐतिहासिक घटनायें जनसंख्या विकास के लिए उत्तरदायी हैं। युद्ध अराजकता एवं महामारी काल में जनसंख्या के विकास में अवरोध तथा शान्त, सुव्यवस्थित, दुर्भिक्ष एवं जलप्लावन रहित काल में जनसंख्या का अबाध गति से विकास होता रहा है। क्षेत्र में समय–समय पर बाहर से आने वाली जातियों का जनसंख्या के विकास मे महत्वपूर्ण योगदान है। सन् 1901 में इस क्षेत्र की जनसंख्या 7237028 थी जो 2011 में बढ़कर 30717708 हो गयी। इस मैदान की जनसंख्या वृद्धि तालिका 2.10 में प्रदर्शित है। स्पष्ट है

कि सरयूपार मैदान की प्रतिदशक जनसंख्या वृद्धि दर में अधिक विभिन्नता हैं। इस मैदान में 1901 से 1911 के दशक में जनसंख्या वृद्धि दर 3.47 प्रतिशत रही। 1911 से 1921 के दशक में घटकर 3.18 प्रतिशत हो गयी। इसी अवधि में उत्तर प्रदेश की जनसंख्या ह्रास का मुख्य कारण प्रदंश में 1904 के 1931 के दशक में जनसंख्या में 8.11 की वृद्धि हुई। 1901 से 1931 तक जनसंख्या वृद्धि दर बहुत कम रही हैं। इसी प्रकार 1941, 1951, 1961, 1971, 1981, 1991, 2001 तथा 2011 के दशकों में जनसंख्या वृद्धि पर क्रमशः 8.99, 9.25, 11.96, 15.48, 23.71, 24.94, 24.66 तथा 23.93 प्रतिशत रही हैं।

तालिका 1 सरयूपार मैदानः जनसंख्या वृद्धि (1901–2011)

वर्ष	कुल जनसंख्या	वृद्धि दर (% में)	उ0प्र0 की वृद्धि दर (% में)	भारत में वृद्धि दर (% में)
1901	7237028	——	——	——
1911	7488855	3.47	−0.97	5.75
1921	7727575	3.18	−3.07	−0.31
1931	8354489	8.11	6.65	11.00
1941	9105715	8.99	13.57	14.22
1951	9948605	9.25	11.82	13.31
1961	11139178	11.96	16.66	21.64
1971	12863618	15.98	19.77	24.80
1981	15913659	23.71	25.49	24.66
1991	19882584	24.94	24.48	23.86
2001	24786034	24.66	19.36	21.34
2011	30717708	23.93	20.20	17.70

स्रोत– भारतीय जनगणना 2011

जनपद स्तर पर जनसंख्या वृद्धि दर तालिका 1 में प्रदर्शित है, जिसके अवलोकन से स्पष्ट है कि विभिन्न जनपदों के जनसंख्या वृद्धि दर में काफी विषमता मिलती हैं। वर्ष 2001 के दशक में सरयूपार मैदान की जनसंख्या 24786034 थी, जो 2011 में बढ़कर 30717708 हो गयी। जनसंख्या वृद्धि की विषमता के परिप्रेक्ष्य में कुल जनसंख्या में सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर 30.5 प्रतिशत श्रावस्ती जनपद की है तथा सबसे कम 14.2 प्रतिशत देवरिया जनअतिरिक्त बहराइच 29.3 प्रतिशत, बलरामपुर 27.7 प्रतिशत, सिद्धार्थनगर 25.5 प्रतिशत, गोण्डा 24.2 प्रतिशत, बहराइच 29.3 प्रतिशत महराजगंज 23.5 प्रतिशत, कुशीनगर 23.3 संतकबीर नगर 20.8 प्रतिशत तथा गोरखपुर 17.8 प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि दर रही हैं। 2011 में जहाँ अध्ययन क्षेत्र में दशकीय जनसंख्या वृद्धि 23.93 प्रतिशत है, वहीं उत्तर प्रदेश की 20.20 प्रतिशत तथा भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 17.70 प्रतिशत की तुलना में अधिक हैं।

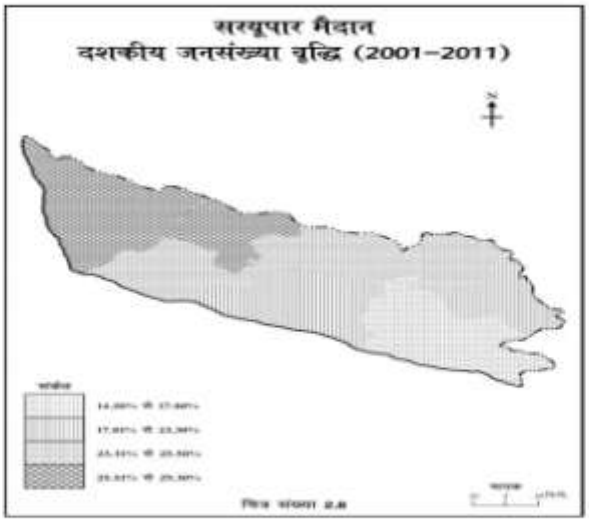

तालिका–2 सरयूपार मैदानः जनपदवार दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (2001–2011)

जनपद	कुल जनसंख्या		जनसंख्या वृद्धि दर (% में)
	2001	2011	
बहराइच	2384239	3487731	29.3
श्रावस्ती	11,75,428	11,17361	30.5
बलरामपुर	16,84567	21,48665	27.7
गोण्डा	2765754	3433919	24.2
सिद्धार्थनगर	1708554	25,59297	25.5
बस्ती	2068922	2464464	18.2
संतकबीर नगर	1424500	1715183	20.8
महराजगंज	2167041	2684703	23.5
गोरखपुर	3784720	4440895	17.8
कुशीनगर	2891933	35,64544	23.3
देवरिया	2730376	31,00946	14.2
सरयूपार मैदान	**24786034**	**30717708**	**23.93**

स्रोत– भारतीय जनगणना–2011

ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या–

सरयूपार मैदान कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाला क्षेत्र है। सम्पूर्ण जनसंख्या की लगभग 90 प्रतिशत लोग कृषि एवं कृषि से सम्बन्धित कार्यों में संलग्न है। परिणामस्वरूप यहाँ औद्योगीकरण कम हुआ है। नगरीय जनसंख्या का अनुपात ग्रामीण जनसंख्या की अपेक्षा अति न्यून है। तालिका – 3 के अवलोकन से ग्रामीण एंव नगरीय जनसंख्या का प्रतिबिम्ब स्पष्ट हो जाता है।

तालिका–3 सरयूपार मैदानः ग्रामीण एंव नगरीय जनसंख्या (2011)

जनपद	ग्रामीण जनसंख्या	कुल जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या	कुल जनसंख्या का प्रतिशत
बहराइच	3203687	91.9	284044	8.1
श्रावस्ती	1078712	96.5	38649	3.5
बलरामपुर	1982274	92.3	166391	7.7
गोण्डा	3208890	93.4	225029	6.6
सिद्धार्थनगर	2398606	93.7	160691	6.3
बस्ती	2326367	94.4	138097	5.6
संतकबीर नगर	1586652	92.5	128531	7.5
महराजगंज	2549973	95.0	134730	5.0
गोरखपुर	3604766	81.2	836129	18.8
कुशीनगर	3396437	95.3	168107	4.7
देवरिया	2784143	89.8	316803	10.2
सरयूपार मैदान	28120507	91.54	2597201	8.46

स्रोत– भारतीय जनगणना 2011

ग्रामीण जनसंख्या–

सरयूपार मैदान की जनसंख्या का सम्पूर्ण अर्थिक तन्त्र कृषि एंव कृषि उत्पादों पर आधारित हैं, फलतः यहाँ औद्योगिक विकास बहुत कम हुआ है। अतः यहाँ की सम्पूर्ण जनसंख्या में ग्रामीण जनसंख्या का अनुपात सर्वाधिक है, जबकि नगरीय जनसंख्या का अनुपात अति न्यून है। अध्ययन क्षेत्र में जहाँ कुल जनसंख्या का 91.54 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है, वही मात्र 8.46 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय है। जनपदवार अवलोकन से स्पष्ट है कि सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या 96.5 प्रतिशत श्रावस्ती जनपद तथा सबसे कम ग्रामीण जनसंख्या का 81.2 प्रतिशत गोरखपुर जनपद में हैं। शेष सभी जनपदों में क्रमशः बहराइच 91.9, बलरामपुर 92.3, गोण्डा 93.4, सिद्धार्थनगर 93.7, बस्ती 94.4, संतकबीर नगर 92.5, महराजगंज 95.0 कुशीनगर 95.3 तथा देवरिया 89.8 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण हैं।

नगरीय जनसंख्या–

नगरीकरण के प्रमुख कारकों में परिवहन, उद्योग एंव नगरीय जनसंख्या की वृद्धि प्रमुख कारक हैं। नगरीकरण के लक्षणों में किसी देश अथवा क्षेत्र विशेष की शहरी जनसंख्या की जनांकिकीय, आर्थिक तथा सामाजिक संरचना सम्मिलित होती हैं। सरयूपार मैदान की नगरीय जनसंख्या अति न्यून है। सारणी 2.12 से स्पष्ट है कि गोरखपुर जनपद ही सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या 18.8 प्रतिशत वाला क्षेत्र है। शेष सभी जनपदों के नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत 3.5 से 10.2 प्रतिशत के मध्य हैं। अध्ययन क्षेत्र के मात्र तीन जनपदों श्रावस्ती (3.5%), कुशीनगर (4.7%) तथा महराजगंज (5.0%) नगरीय जनसंख्या हैं। क्षेत्र के सात जनपदों में मध्यम स्तर का नगरीकरण हुआ, जिसमें बस्ती (5.6%) सिद्धार्थनगर (6.3%), गोण्डा (6.6%), संतकबीर नगर (7.5%), बलरामपुर (7.7%), बहराइच (8.1%) तथा देवरिया (10.2%) है। गोरखपुर मात्र ऐसा एक जनपद है जिसकी नगरीय जनसंख्या 18.8 प्रतिशत है।

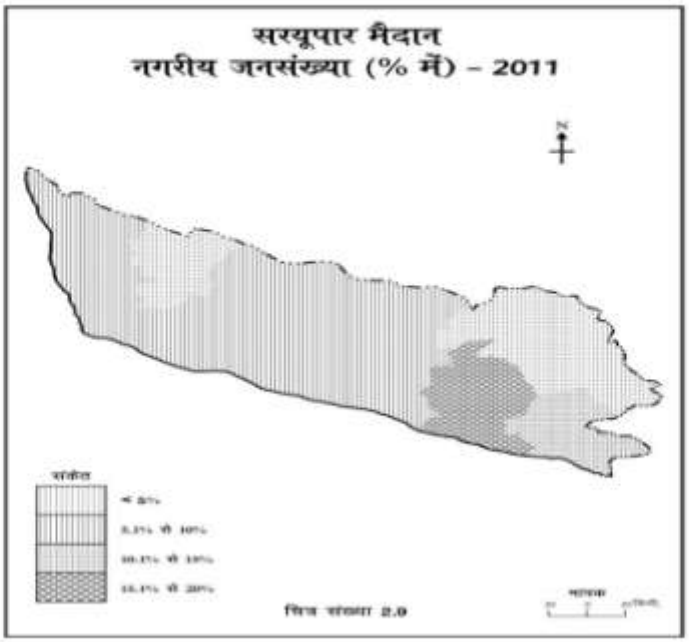

चित्र संख्या 2.9

इस प्रकार उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र की सर्वाधिक जनसंख्या ग्रामीण अंचल में निवास करती है। इस क्षेत्र में गोरखपुर जनपद में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत अन्य जनपदों की तुलना में अधिकहै। इसका प्रमुख कारण गोरखपुर नगर में शैक्षणिक, व्यावसायिक, औद्योगिक, मण्डल स्तर की सभी कार्यालयों का विस्तार एंव नगरीय सुविधाओं का विकास हैं। सरयूपार मैदान में ग्रामीण जनसंख्या 91.54 प्रतिशत है, जबकि नगरीय जनसंख्या 8.46 प्रतिशत है, जो उत्तर प्रदेश में क्रमशः 77.7 प्रतिशत तथा 22.3 प्रतिशत हैं। यह स्पष्ट है कि सरयूपार मैदान में ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत राज्य से अधिक है, जबकि नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत राज्य से कम हैं। (चित्र– 2.9)

लिंगानुपात–

लिंग संघटना से तात्पर्य स्त्रियों और पुरूषों के पारस्परिक अनुपात से होता है। स्त्री–पुरूष अनुपात का अध्ययन जनसंख्या की वृद्धि तथा सामाजिक एंव सांस्कृतिक संरचना के सम्यक ज्ञान के लिए आवश्यक हैं। वर्ष 2011 की जनगणनानुसार इस मैदान 51.35 प्रतिशत पुरूष तथा 48.65 प्रतिशत स्त्रियाँ हैं। इस प्रकार प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 947 हैं। जबकि प्रदेश में प्रति हजार पुरूषों पर 912 स्त्रियाँ तथा राष्ट्र में प्रति हजार पुरूषों पर 943 स्त्रियाँ है, जो अध्ययन क्षेत्र के समरूप हैं। स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में लिंगानुपात में काफी विषमता है। सरयूपार मैदान की लिंगानुपात (947) के सापेक्ष चार जनपदों में क्रमशः श्रावस्ती 881, बहराइच 892, गोण्डा 922 तथा बलरामपुर 928 लिंगानुपात कम है। शेष जनपदों में लिंगानुपात क्षेत्र के समतुल्य या अधिक हैं। सर्वाधिक लिंगानुपात देवरिया जनपद (1077) तथा न्यून श्रावस्ती (881) जनपद में है।

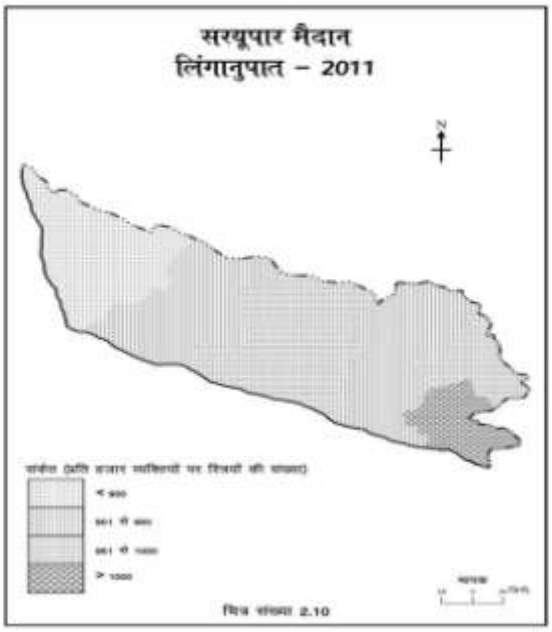

चित्र संख्या 2.10

तालिका 4 सरयूपार मैदान : लिंगानुपात (2011)

जनपद	पुरूष जनसंख्या	महिला जनसंख्या	लिंगानुपात
बहराइच	18,43884	1643847	892
श्रावस्ती	593897	523464	881
बलरामपुर	1114721	10,33944	928
गोण्डा	1787146	1646773	922
सिद्धार्थनगर	1295095	1264202	976
बस्ती	1255272	1209192	963
संतकबीर नगर	869656	845527	972
महराजगंज	1381754	1302949	943
गोरखपुर	2277,777	2163118	950
कुशीनगर	18,18055	1746489	961
देवरिया	1537436	1563510	1017
सरयूपार मैदान	**15774693**	**14943015**	**947**
उत्तर प्रदेश	**10,44,80,510**	**95331831**	**912**

स्रोत– भारतीय जनगणना 2011

साक्षरता–

किसी क्षेत्र विशेष का शिक्षा के अभाव में विकास सम्भव नहीं हैं। गुणात्मक वृद्धि के लिए शिक्षा एंव श्रम की कुशलता का आधार आवश्यक है। यह अभिवृद्धि मानव समूह में शिक्षा का संचार एंव प्रशिक्षण की व्यवस्था करके प्राप्त की जा सकती है। शिक्षा प्राप्त मनुष्य साक्षर कहलाता हैं। आधुनिक युग में शिक्षा जो मानव का एक अति विशिष्ट गुण है। निर्विवाद रूप से व्यक्ति, समाज, क्षेत्र एंव राष्ट्र सभी स्तरों सामाजिक एंव आर्थिक विकास प्रक्रिया में सहायक होती है अपितु इसका प्रयास किसी क्षेत्र या समाज विशेष के सर्वांगीण विकास का द्योतक भी माना जाता हैं। साक्षरता क्षेत्र विशेष के सामाजिक एंव सांस्कृतिक स्वरूप को प्रभावित करती हैं। सरयूपार मैदान के विकास में निरक्षरता एंव श्रम की कुशलता का अभाव विकास को बाधित करता है। सरयूपार मैदान के साक्षरता के तुलनात्मक अध्ययन हेतु जनपद स्तर पर प्राप्त आकँड़ों को तालिका 5 में प्रदर्शित किया गया हैं।

तालिका–5 सरयूपार मैदान : साक्षरता (2011)

जनपद	कुल साक्षर	पुरूष साक्षरता	महिला साक्षरता	कुल साक्षरता (%)	पुरूष साक्षरता (%)	महिला साक्षरता (%)
बहराइच	1398368	878285	520083	49.4	58.3	39.2
श्रावस्ती	423313	276700	146613	46.7	57.2	34.8
बलरामपुर	868357	544943	323414	49.5	59.7	38.4
गोण्डा	1679994	1034181	645813	58.7	69.4	47.1
सिद्धार्थनगर	1228926	740718	488208	59.2	70.9	47.4
बस्ती	1393783	819719	574064	67.2	77.9	56.2
संतकबीर नगर	954949	567098	387851	66.7	78.4	54.8
महराजगंज	1419144	881674	537470	62.8	75.8	48.9
गोरखपुर	2700328	1593890	1106438	70.8	81.8	59.4
कुशीनगर	1954820	1183722	771098	65.2	77.7	52.4
देवरिया	1875239	1079288	795951	62.8	83.3	59.4
सरयूपार मैदान	15897221	9600218	6297003	62.00	73.00	50.39
उत्तर प्रदेश	114397555	68234964	46162591	67.68	77.28	51.36

स्रोत– भारतीय जनगणना 2011

सरयूपार मैदान (2011) की साक्षरता 62.00 प्रतिशत है, जो उत्तर प्रदेश 67.68% तथा भारत 74.04% के सापेक्ष कम हैं। साक्षरता का न्यून स्तर होने का मुख्या कारण गरीबी, आर्थिक तथा सामाजिक पिछड़ापन आदि है। अध्ययन क्षेत्र में पुरूष साक्षरता 73.0% है, जो सम्पूर्ण साक्षरता की भाँति उत्तर प्रदेश की पुरूष साक्षरता 77.28% तथा भारत की 82.14%की तुलना में कम हैं।यह प्रवृत्ति महिला साक्षरता में भी परिलक्षित हैं। आलोच्य क्षेत्र में महिला साक्षरता की स्थिति अति दयनीय हैं तथा महिला साक्षरता मात्र 50.39 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश 51.36 प्रतिशत महिला साक्षरता तथा भारत की महिला साक्षरता 65.46% की अपेक्षा कम हैं।

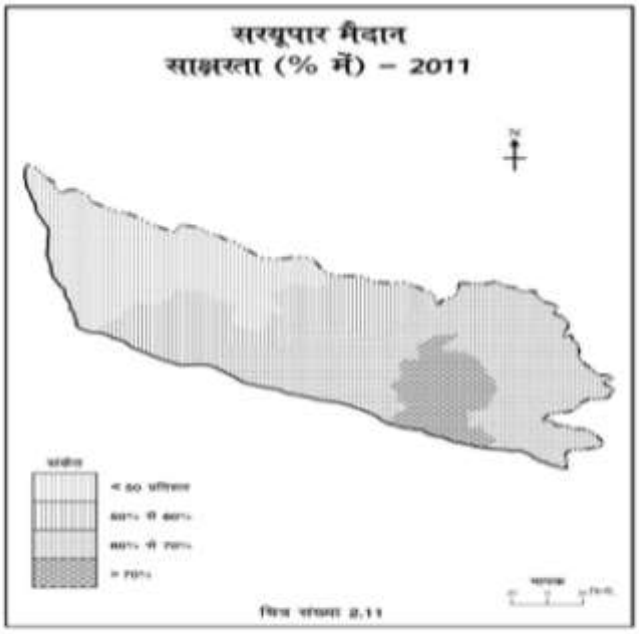

अध्ययन क्षेत्र में उच्च साक्षरता गोरखपुर जनपद (70.8 प्रतिशत) तथा न्यून साक्षरता श्रावस्ती (46.7 प्रतिशत) में है, जबकि सर्वाधिक पुरुष साक्षरता देवरिया जनपद (83.3 प्रतिशत) तथा न्यून पुरुष साक्षरता श्रावस्ती (57.2% है। सर्वाधिक महिला साक्षरता दर देवरिया एंव गोरखपुर जनपदों में (59.4 प्रतिशत) तथा न्यून महिला साक्षरता दर श्रावस्ती (34.8 प्रतिशत) है।

REFERENCES

1. Cooley, Charls H. (1964) : Sociological Perspectives on the Study of Mass Communication in "Edited by Dexter, L.A. and White, D.M. the free press of GLENCOE. P. 20-25.
2. Wright, C.R. (1964) : "Functional Analysis and Mass Communication" in Dexter L.A. and White, D.M. (eds) "People, Society and Mass Communication" The free Press of GLENCOE, collier-Macmillam Ltd. London P. 71.
3. Wadia, D.N. (1976) : Geology of India, Tata Mc Graw Hill Publishing Company, New Delhi, P. 364.
4. Burrard, S. (1916) : The Origin of the Himalayas, Survey of India, Dehradun Persidented address to India Science Congress, Lucknow, p. 14.
5. Wadia, D.N. : OP Cit p. 365.
6. Thornbury, W.D. (1958) : Principle of Geomorphology, p. 120.
7. Ibid. : p. 121.
8. Metrology Department Uttar Pradesh, Lucknow.
9. Bose, S.C., (1965) : Society and Commerce Republic of Indian, p. 48.
10. Shahi, S.A., (1962) : Agro- Industry Relationship in Saryupar Plain, Unpublished Ph.D. Thesis B.H.U.
11. Spate, O.H.K., (1963) : OP Cit. p. 82.
12. Auden, J.B. (1942) : Records of the Geological Survey of India, Professional Paper, No. 1, p. 3.
13. Singh, R.L. (1955) : Evolution of Settlement in middlegange valley, N.G.J.I. p. 71.
14. District Statistical Books (2012-13) : Bahraich, Shrawasti, Balrampur, Gonda, Siddharth Nagar, Basti, Santkabir Nagar, Maharaganj, Gorakhpur, Deoria, Kushinagar.
15. Ibid.
16. Ibid.
17. Census of India 2011.
18. Singh, D.N. (1983) : Population Dynamics in Saryupar Plain (U.P.), Unpublished Ph.D. Thesis Department of Geography University of Gorakhpur.